WHISPERS IN THE CORRIDORS .COM

डॉ. सुरेश मेहरोत्रा

नईदुनिया से विशेष अनुबंध के तहत

राजनीतिक, प्रशासनिक व कॉर्पोरेट जगत की खबरें

● सुबोध कुमार सिंह मूल कैडर में लौटे, मुख्यमंत्री के निजी सचिव बनने की संभावना

इस्पात मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार सुबोध कुमार सिंह को राज्य सरकार के अनुरोध पर उनके मूल कैडर में वापस भेज दिया गया है। छत्तीसगढ़ कैडर के 1997 बैच के आईएएस अधिकारी सिंह को मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव के पद पर नियुक्त किए जाने की संभावना है।

राजनीतिक

● भुजबल का अगला कदम क्या होगा?

एनसीपी (अजित पवार गुट) के नेता छगन भुजबल ने महायुति सरकार में मंत्री पद के लिए अनदेखी किए जाने पर नाराजगी जताई है। इस झटके के बावजूद, भुजबल ने कहा है कि उनका कोई नया राजनीतिक दल बनाने का कोई इरादा नहीं है और वे सरकार में बने रहना चाहते हैं, साथ ही अपनी चिंताओं को व्यक्त करना जारी रखेंगे। भुजबल के समर्थकों का तर्क है कि उन्होंने ओबीसी समुदाय का समर्थन जुटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और उन्हें मंत्रिमंडल से बाहर रखा जाना अक्षम्य है। यह स्थिति गंभीर प्रश्न उठाती है: क्या भाजपा भुजबल की शिकायतों को दूर करने के लिए कदम उठाएगी, या भुजबल अपनी स्थिति को बनाए रखने के लिए कठोर उपायों का सहारा लेंगे? सामने आ रहे तनाव महाराष्ट्र की राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ का संकेत देते हैं, जो सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए संभावित रूप से उथल-पुथल भरे दौर की शुरुआत कर रहा है।

प्रशासनिक

● आईएएस साक्षी साहनी ने अमृतसर में हाशिए पर पड़े और विकलांग समुदायों के लिए शार्क टैंक-स्टाइल प्लेटफॉर्म के साथ समावेशी उद्यमिता को बढ़ावा दिया

आईएएस साक्षी साहनी 2014 बैच की पंजाब कैडर की हैं और वर्तमान में अमृतसर, पंजाब की डिप्टी कमिश्नर के पद पर तैनात हैं। इस नियुक्ति के साथ ही उन्होंने अमृतसर की पहली महिला डिप्टी कमिश्नर बनकर इतिहास रच दिया।

जिले के लिए उनका विजन युवाओं के कौशल, रोजगार और आजीविका पर केंद्रित है। उन्होंने कहा, हम युवाओं के कौशल, रोजगार और आजीविका पर काम कर रहे हैं और अपने जनसांख्यिकीय लाभांश का सर्वोत्तम उपयोग कर रहे हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि प्रत्येक व्यक्ति अपनी क्षमताओं के अनुसार अपना सर्वश्रेष्ठ जीवन जी सके। उनके नेतृत्व में, जिले ने फ्यूचर टाइकून नामक एक पहल शुरू की है, जिसे हाशिए पर पड़े समूहों और विकलांग व्यक्तियों को अपने व्यावसायिक विचारों को पेश करने के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस कार्यक्रम के पीछे की प्रेरणा को समझाते हुए, साहनी ने कहा, ये लोग शानदार विचारों वाले प्रतिभाशाली व्यक्ति हैं, लेकिन उनके पास प्लेटफ़ॉर्म या मेंटरशिप तक पहुँच नहीं है। वे बिजनेस स्कूलों या इनक्यूबेटरों का हिस्सा नहीं हैं, और इस पहल का उद्देश्य उन्हें आगे लाना है। नागरिकों को आने, अपने विचार या मौजूदा व्यवसाय प्रस्तुत करने और फिर 15-20 दिनों की मेंटरशिप प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है, जिसमें प्रेजेंटेशन बनाने और अपने विचारों को प्रभावी ढंग से पेश करने का प्रशिक्षण शामिल है। उन्होंने बताया, हमारे पास शार्क टैंक की तरह जजों का एक पैनल है, जो इन पिचों का मूल्यांकन करता है। एक सफलता की कहानी को याद करते हुए, उन्होंने कहा, पटियाला में, जहाँ मैंने पहले इस विचार को लागू किया था, एक महिला ने मधुमेह के अनुकूल अचार और मुरब्बा बनाने की अपनी अवधारणा प्रस्तुत की। न केवल उन्होंने चुनौती जीती और प्रथम पुरस्कार के रूप में 50,000 प्राप्त किए , बल्कि उन्होंने निवेशकों और एक नेटवर्क को भी आकर्षित किया जो उन्हें विस्तार और विकास में मदद करने जा रहे हैं। कार्यक्रम का प्रभाव वित्तीय सहायता से कहीं आगे तक फैला हुआ है इस पहल से बहुत सारे सामाजिक लाभ सामने आते हैं। हम उन्हें संभावित निवेशकों, सलाहकारों और इनक्यूबेटरों से जोड़ने में मदद करते हैं और फिर बाजार अपना जादू दिखाता है। वे अपने विचारों में प्रतिभा और योग्यता को पहचानने और आगे बढ़ने में सक्षम होते हैं, उन्होंने कहा। विकास के अवसरों को और बढ़ाने के लिए, व्यावसायिक कौशल प्रमाणपत्र और एआई जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों पर पाठ्यक्रम शुरू किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, हमने 3डी विनिर्माण और एआई उपकरण प्रदर्शित किए हैं, ताकि यह प्रदर्शित किया जा सके कि ये प्रौद्योगिकियां मौजूदा कौशल में कैसे मूल्य जोड़ सकती हैं।

इसके अलावा विकलांग लोगों के लिए पंजाबी यूनिवर्सिटी और विशेष स्कूलों के बीच सहयोग से छात्रों को दूरस्थ शिक्षा प्राप्त करने में मदद मिलती है। यह पहल विकलांग छात्रों को स्थानीय स्तर पर आगे की पढ़ाई करने, परीक्षा देने, डिग्री हासिल करने और नौकरी पाने का मौका देती है। उन्होंने बताया, विकलांग लोगों के लिए नौकरी में आरक्षण है, लेकिन डिग्री के बिना उनके अवसर सीमित हैं।

साहनी की महत्वाकांक्षी दृष्टि पर्यटन और सीमावर्ती गांवों को भी शामिल करती है, जहां अक्सर पहुंच की कमी होती है। हम इन गांवों में सुविधाएं विकसित करने के लिए काम कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, भारतीय हॉकी टीम के दो खिलाड़ी जो जीते हैं, वे अमृतसर से हैं। मैं उनके क्षेत्रों में स्थानीय प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए हॉकी नर्सरी स्थापित कर रहा हूं।

● एक दर्जन से अधिक आईएएस अधिकारी निलंबित

देश में विभिन्न संवर्गों और बैचों के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के एक दर्जन से अधिक अधिकारी निलंबित हैं।

● सुबोध कुमार सिंह को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री का निजी सचिव नियुक्त किया गया

सुबोध कुमार सिंह को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री का प्रधान सचिव नियुक्त किया गया है। वे छत्तीसगढ़ कैडर के 1997 बैच के आईएएस अधिकारी हैं।

● छत्तीसगढ़ कैडर में 13 आईपीएस अफसरों की कमी

छत्तीसगढ़ कैडर में कुल 142 अधिकृत पदों के मुकाबले 129 आईपीएस अधिकारी कार्यरत हैं। कैडर में 13 आईपीएस अधिकारियों की कमी है।

मुख्यमंत्री ने की जुलाई से लागू तीन नए कानूनों की प्रगति समीक्षा

लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जुलाई-2024 से लागू तीन नए आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी को लागू तीन नये कानूनों की प्रगति पुलिसकर्मियों के प्रशिक्षण मार्च 2025 तक पूरा कराने के निर्देश दिए हैं।

इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा है कि नये कानूनों के क्रियान्वयन के लिए उपयोगी अभी उपकरणों की उपलब्धता यथाशीघ्र क्रय कर लिया जाए। मुख्यमंत्री ने नये कानूनों के बारे में व्यापक जनजागरूकता फैलाने की भी जरूरत बताई है।

शुक्रवार को हुई इस महत्वपूर्ण बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि प्रदेश के सभी आईपीएस, पीपीएस और प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षों और टेक्निकल स्टाफ को तीन नये कानूनों के संबंध में शत-प्रतिशत प्रशिक्षित किया जा चुका है। वहीं 99 प्रतिशत निरीक्षकों, 95 प्रतिशत उपनिरीक्षकों तथा 74 प्रतिशत हेड कांस्टेबल/कांस्टेबल को प्रशिक्षण दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रयागराज में आयोजित होने वाले महाकुम्भ-25 में 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालु आएंगे। ऐसे में वहां नये कानूनों के प्रचार-प्रसार के लिए प्रदर्शनी लगायी जाए। इसके अलावा छोटे-छोटे वीडियो के जरिये श्रद्धालुओं को नये कानूनों की खूबियों के बारे में बताया जाए।

साथ ही विशेष उपलब्धियों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपलोड करने के साथ विगत कुछ दिनों में उल्लेखनीय दंड के प्रकरण जिनमें कम से कम समय में अपराधियों को सजा दिलायी गयी, उनका प्रचार-प्रसार किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि तीन नये कानूनों के अनुपालन में फॉरेंसिक का अहम रोल है। वर्तमान में प्रदेश के सभी जिलों में एक-एक फॉरेंसिक मोबाइल वैन ही संचालित हो रही है।

ऐसे में मुख्यमंत्री ने जल्द से जल्द सभी जिलों में एक-एक और नयी फॉरेंसिक मोबाइल वैन की सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि फॉरेंसिक विशेषज्ञों की भर्ती प्रक्रिया को तेज किया जाए। इन कानूनों के क्रियान्वयन में उनकी अहम भूमिका है।

इसे ध्यान में रखते हुए भर्ती प्रक्रिया में किसी प्रकार की लापरवाही न की जाए। मुख्यमंत्री ने कारागार में वीसी यूनिट के अधिष्ठापन की प्रक्रिया को तेज करने के निर्देश दिये। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने सभी थानों पर विवेचकों और अभियोजन के अधिकारियों को भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग यूनिट की सुविधा उपलब्ध कराने को कहा।

केजीएमयू का 120वां स्थापना दिवस

मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए मुख्यमंत्री, शिक्षकों को किया सम्मानित

लखनऊ

राजधानी लखनऊ में शनिवार को केजीएमयू के 120वां स्थापना दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सीएम योगी आदित्यनाथ सामिल हुए। इससे पहले डीन प्रो अमिता जैन ने आईआईटी कानपुर के निदेशक प्रो मानिंद्र अग्रवाल का स्वागत किया गया।

इस मौके पर प्रो मानिंद्र अग्रवाल ने कहा कि आने वाला समय तकनीक का है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर बहुत चर्चा है। कहा जा रहा है कि यह लोगों की नौकरी ले लेगा। वास्तव में ऐसा नहीं है। मशीन कभी मानव का विकल्प नहीं हो सकती। तकनीक मानव की भूमिका बदल सकती है पर विकल्प नहीं बन सकती।

मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए उन्होंने कहा कि एआई के आने से दो सबसे बड़े प्रभाव पड़ने वाले हैं। पहला रोबोटिक्स और दूसरा विश्लेषण। इन दोनों में मानव मशीन की बराबरी नहीं कर सकता है। रोबोट के माध्यम से जटिलतम सर्जरी की जा सकती है।

उन्होंने कहा कि विभिन्न प्रकार की जांच की रिपोर्टिंग में भी तकनीक का रोल अहम होगा। हालांकि बात जब जटिल परिस्थिति में निर्णय लेने की होगी तब मानव का मुकाबला नहीं हो सकता। उन्होंने इस मौके पर आईआईटी कानपुर और केजीएमयू के बीच चल रहे अनुसंधान के बारे में भी जानकारी दी।

केजीएमयू कुलपति प्रो सोनिया नित्यानंद ने स्थापना दिवस समारोह में कहा कि संस्थान में प्रदेश का पहला अपेक्स सेंटर फॉर वूमेन एंड चाइल्ड केयर सेंटर की स्थापित होगा। इसका प्रस्ताव शासन के पास भेज दिया गया है। इसके साथ ही संस्थान में टेलीमेडिसिन सेंटर की शुरुआत को मंजूरी मिल गई है।

कुलपति प्रो सोनिया नित्यानंद में बताया कि पिछले एक साल में संस्थान में कुल 22 लाख से ज्यादा मरीजों का इलाज किया गया। इनमें 19 लाख मरीज ओपीडी, 1.50 लाख मरीज भर्ती हुए, एक लाख के करीब छोटे बड़े ऑपरेशन हुए। इसके साथ ही करीब 90 हजार मरीजों को ट्रॉमा सेंटर में इलाज दिया गया। सरकारी योजनाओं से 30 हजार मरीजों को निशुल्क इलाज मिला। इसके साथ ही 22 करोड़ रूपये के 290 प्रोजेक्ट भी मिले। कार्यक्रम में प्रो. माला कुमार, प्रो. आरके गर्ग, प्रो. एसके द्विवेदी, प्रो. शादाब मोहम्मद, प्रो. अमिता जैन, प्रो. उमाशंकर, प्रो. देवेश सिंह और प्रो. गोपा बनर्जी शिक्षकों को सम्मानित किया गया। ये सभी शिक्षक कुछ समय में रिटायर होने वाले हैं।

गोरखनाथ कृपा दुग्ध उत्पादक संस्था का उद्घाटन करेंगे योगी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार दोपहर गोरखपुर आएंगे। वे योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम में स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं को संबोधित करेंगे। इसके अलावा बलिनी मिल्क प्रोड्यूसर कम्पनी बुंदेलखंड की तर्ज पर गोरखपुर में गठित बाबा गोरखनाथ कृपा दुग्ध उत्पादक संस्था का लोकार्पण करेंगे।

जानकारी के मुताबिक, सीएम योगी स्वयं सहायता समूहों को सीसीएल प्रमाण पत्र वितरित करने के साथ ही समूहों की महिलाओं से संवाद कर उन्हें आर्थिक समृद्धि का मंत्र देंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री बैंक सखी, ड्रोन दीदी, लखपति दीदी, बीसी सखी, विद्युत सखी के रूप में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को भी सम्मानित करेंगे। इसी कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर में गठित बाबा गोरखनाथ कृपा दुग्ध उत्पादक संस्था का लोकार्पण करेंगे। इसके साथ ही उनके हाथों गोरखपुर मंडल में बने सात दुग्ध अवशीतन केंद्रों का भी लोकार्पण होगा।

मुख्यमंत्री ने पूरी की जेवर के किसानों की फरियाद

लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर के विकास के लिए जमीन दे रहे किसानों की मुराद पूरी कर दी है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास पर किसानों के साथ खुले संवाद के बीच मुख्यमंत्री ने जेवर एयरपोर्ट के लिए तीसरे चरण के भूमि अधिग्रहण के एवज में देय प्रतिकर को 3100 रुपये वर्गमीटर से बढ़ाकर 4300 रुपये वर्गमीटर तक करने की घोषणा की। इसपर नियमानुसार ब्याज भी दिया जाएगा।

इसके अलावा अधिग्रहण से प्रभावित हर किसान परिवार के व्यवस्थापन, रोजगार और सेवायोजन के प्रबंध किए जाएंगे। विशेष अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि अगले वर्ष अप्रैल में प्रधानमंत्री जी के कर-कमलों से एशिया के इस सबसे बड़े नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन किया जाएगा।

शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित संवाद के बीच मुख्यमंत्री ने यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के सीईओ को मंच पर बुलाया और दो चरणों में हुए भूमि अधिग्रहण और प्रभावित किसान परिवारों के व्यवस्थापन के बारे में पूछा। सीईओ ने किसानों के सामने मुख्यमंत्री को बताया कि वर्तमान में केवल उन्हीं को प्रतिकर दिया जाना बाकी है, जिनके उत्तराधिकार, वरासत आदि से संबंधित प्रकरण लंबित है। मुख्यमंत्री ने हर किसान की समस्याओं के निस्तारण को शीर्ष प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर की वेलीडेशन फ्लाइट की सफलतापूर्वक लैंडिंग नौ दिसंबर को की जा चुकी है और अप्रैल 2025 से उड़ान शुरु हो जाएगी। यहां 40 एकड़ क्षेत्रफल में एमआरओ का भी विकास होगा। यहां दुनिया भर के विमानों का मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉलिंग होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आनेवाले दिनों में यह क्षेत्र सबसे बड़ा औद्योगिक और सर्विस सेक्टर की गतिविधियों का केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि जेवर अब तक अंधेरे में डूबा हुआ था, अब वैश्विक पटल पर चमकेगा। अगले दस वर्षों में यह देश का सबसे विकसित क्षेत्र होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मात्र दो वर्षों में 1334 हेक्टयर यानी लगभग 3300 एकड़ भूमि का अधिग्रहण बिना किसी विवाद के पूरा हुआ।

पश्चिम मध्य रेल

विद्युत (सामान्य शाखा)-खुली निविदा

मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत सामान्य) पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर भारत संघ के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न लिखित कार्यों हेतु आवेदन निर्धारित निविदा फार्म पर खुली निविदा आमंत्रित करता है। **क्र.संख्या-01-निविदा सूचना क्रमांक:** जबल/एल/टी नं.51/2024 दिनांक 17.12.2024, **कार्य का नाम लोकेशन सहित**-03 विविध कार्यों का विद्युतीकरण (i) बीना-कटनी सेक्शन में सागर, जरूआ खेड़ा, गणेशगंज, पथरिया और घटेरा में पाइपलाइन के साथ 90000 लीटर क्षमता के आरसीसी ओवरहेड जल भंडारण टैंक के प्रावधान द्वारा रेलवे कॉलोनी के लिए कर्मचारी सुविधाओं के रूप में जल आपूर्ति व्यवस्था का विस्तार। (ii) बीना- कटनी सेक्शन में दमोह स्टेशन पर पाइपलाइन के साथ 90000 लीटर क्षमता के आरसीसी ओवरहेड जल भंडारण टैंक के प्रावधान द्वारा रेलवे कॉलोनी के लिए कर्मचारी सुविधाओं के रूप में जल आपूर्ति व्यवस्था का विस्तार । (iii) ए.डी.ईएन/एम/कटनी सब डिवीजनः- मुड़वारा, कटनी और नई कटनी क्षेत्र में पाइपलाइन के साथ 2.75 लाख लीटर क्षमता के आरसीसी ओएच टैंक का प्रावधान। **निविदा का अनुमानित मूल्य (कीमत लाखों में)**-रू.01,12,34,048.88, **निविदा फार्म की कीमत (रूपये में)**-00/-, **कार्यालय का पता जहां टेंडर फार्म खरीदा जा सकता है**- वरि. मंडल विद्युत अभियंता/सामान्य/जबलपुर **बयाना राशि रुपए**-रू.2,06,200/-**समापन अवधि (माह/वर्ष)**-6 माह, **निविदा जमा करने की तिथि एवं समय (15.00 बजे तक)**-13.01.2025, **निविदा खुलने की तिथि एवं समय (15.30 बजे तक)**-13.01.2025, **क्र.संख्या-02-निविदा सूचना क्रमांक:**: जबल/एल/टी नं.53/ 2024 दिनांक 17.12.2024, **कार्य का नाम लोकेशन सहित**-कोचिंग डिपो कार्यालय जबलपुर में बायो टॉयलेट अपशिष्ट प्रयोगशाला की स्थापना। **निविदा का अनुमानित मूल्य (कीमत लाखों में)**-रू. 52,31,506.44, **निविदा फार्म की कीमत (रूपये में)**-00/, **कार्यालय का पता जहां टेंडर फार्म खरीदा जा सकता है**- वरि. मंडल विद्युत अभियंता/ सामान्य/ जबलपुर **बयाना राशि रुपए**-रू.1,04,600/-**समापन अवधि (माह/वर्ष)**-6 माह, **निविदा जमा करने की तिथि एवं समय (15.00 बजे तक)**-20.01.2025, **निविदा खुलने की तिथि एवं समय (15.30 बजे तक)**-20.01.2025, **क्र.संख्या-03-निविदा सूचना क्रमांक:**: जबल/एल/टी नं.54/ 2024 दिनांक 17.12.2024, **कार्य का नाम लोकेशन सहित**-बनखेड़ी में टीएसएस नियंत्रण कक्ष और यार्ड लाइटनिंग की रिवायरिंग । **निविदा का अनुमानित मूल्य (कीमत लाखों में)**-रू. 6,61,534.56, **निविदा फार्म की कीमत (रूपये में)**-00/, **कार्यालय का पता जहां टेंडर फार्म खरीदा जा सकता है**- वरि. मंडल विद्युत अभियंता/ सामान्य/ जबलपुर **बयाना राशि रुपए**-रू.13,200/-**समापन अवधि (माह/वर्ष)**-6 माह, **निविदा जमा करने की तिथि एवं समय (15.00 बजे तक)**-20.01.2025, **निविदा खुलने की तिथि एवं समय (15.30 बजे तक)**-20.01.2025 निविदा सूचना की पूर्ण जानकारी रेल्वे वेब साइट https://ireps.gov.in पर उपलब्ध है। पूर्ण निविदा प्रपत्र उक्त वेब साइट से डाउन लोड की जा सकती है।

वरि. मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य) जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान, एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल, प्रक्षेत्र-1, गोमतिका परिसर, जवाहर चौक भोपाल

आम सूचना

हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी, सरस्वती नगर, जवाहर चौक, भोपाल में स्थित फ्लेट क्रमांक ई.डब्ल्यू.एस. 364 द्वितीय तल, ब्लाक नं.-8 मण्डल द्वारा श्री वी.एन. अपशंकर (विजय नारायण अपशंकर) आत्मज स्व. श्री नारायण अपशंकर के नाम से आवंटित है । उक्त सम्पत्ति का विक्रय विलेख पंजीयन पंजीयक कार्यालय से दिनांक 19.10.1994 को व लीज नवीनीकरण दिनांक 26.7.2023 को पंजीकृत है । श्री वी.एन. अपशंकर (विजय नारायण अपशंकर) आत्मज स्व. श्री नारायण अपशंकर द्वारा उक्त सम्पत्ति श्रीमती प्रियंका जैन पत्नी श्री प्रवीण कुमार जैन को विक्रय विलेख के माध्यम से विक्रय दिया है। जिसका विक्रय विलेख का पंजीयन पंजीयक कार्यालय में दिनांक 30.7.2024 को निष्पादित करा दिया है। क्रेता/विक्रेता द्वारा आवेदन, शपथ पत्र, संयुक्त शपथ पत्र, परिचय पत्र विक्रय विलेख की छायाप्रति एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति श्रीमती प्रियंका जैन पत्नी श्री प्रवीण कुमार जैन के नाम उक्त सम्पत्ति हस्तांतरण हेतु दस्तावेज प्रस्तुत किये है। उक्त दस्तावेजों के आधार पर उक्त सम्पत्ति के हस्तांतरण की कार्यवाही की जा रही है। यदि उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति/ उत्तराधिकारी/ संस्था/ वित्तीय संस्था इत्यादि को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के अन्दर लिखित रूप में मय सबूत के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। समयावधि समाप्त होने के पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

सम्पदा अधिकारी

म.प्र. गृह नि. एवं अधो. वि. मं. प्रक्षेत्र-1, भोपाल

2960

कार्यालय संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल, प्रक्षेत्र-1, गोमतिका परिसर, जवाहर चौक भोपाल

आम सूचना

हाउसिंग बोर्ड, ई-7 अरेरा कॉलोनी, भोपाल (म.प्र.) में स्थित भवन क्रमांक एल.आई.जी./बी-258 मण्डल द्वारा (1) श्रीमती रेनू श्रीवास्तव पत्नी श्री राजेश श्रीवास्तव (2) श्रीमती बीनू सक्सेना पत्नी श्री अमर प्रकाश सक्सेना के नाम से नामांतरित है । उक्त सम्पत्ति का विक्रय-विलेख पंजीयन कार्यालय से दिनांक 08.6.2002 को एवं लीज नवीनीकरण दिनांक 17.2.2021 को पंजीकृत है। उक्त सम्पत्ति की लीज समयावधि दिनांक 31.5.2038 तक वैध है। (1) श्रीमती रेनू श्रीवास्तव (2) श्रीमती बीनू सक्सेना द्वारा उक्त सम्पत्ति लूर्दनाथा प्रोविसियल हाउस (कोंग्रीगेशन ऑफ सिस्टर्स आफ सेंट मार्था-सी.एस.एम.) अध्यक्ष मेरी के.सी. उर्फ सिस्टर जियो मारिया सी एस एम पुत्री श्री रप्पई चोऊम्मर कुनन द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि सिस्टर आल्फी उर्फ चित्रमा अगस्टीनी पुत्री श्री के.डी. अगस्टी को विक्रय विलेख के माध्यम से विक्रय कर दिया है। जिसका विक्रय विलेख का पंजीयन पंजीयक कार्यालय में दिनांक 12.4.2021 को निष्पादित करा दिया है। क्रेता/विक्रेता द्वारा आवेदन, शपथ पत्र, विक्रय विलेख की छायाप्रति, प्रस्तुत करते हुये उक्त सम्पत्ति लूर्दनाथा प्रोविसियल हाउस (कोंग्रीगेशन ऑफ सिस्टर्स आफ सेंट मार्था-सी.एस.एम.) अध्यक्ष मेरी के. सी. उर्फ सिस्टर जियो मारिया सी एस एम पुत्री श्री रप्पई चोऊम्मर कुनन द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि सिस्टर आल्फी उर्फ चित्रमा अगस्टीनी पुत्री श्री के.डी. अगस्टी के नाम से हस्तांतरित करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त दस्तावेजों के आधार पर उक्त सम्पत्ति के हस्तांतरण की कार्यवाही की जा रही है। यदि उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति/ उत्तराधिकारी/ संस्था/ वित्तीय संस्था इत्यादि को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के अन्दर लिखित रूप में मय सबूत के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। समयावधि समाप्त होने के पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

सम्पदा अधिकारी

म.प्र. गृह नि. एवं अधो. वि. मं. प्रक्षेत्र-1, भोपाल

2961

आपका राशिफल 22 दिसम्बर

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-1-3-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-3-4-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को ह): जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आग-लग की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक 5 6 6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): लेन देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। शुभांक-7-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-7-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रखें। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-4-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू): विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। कार्य भार बढ़ेगा। शुभांक 5 7 9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भोग-विलास के प्रचुर अवसर होंगे। शुभांक-4-7-8

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। परामर्श व परिस्थिति का सहयोग मिलेगा। शुभांक-6-8-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख आनंद कारक समय है। शुभांक 4 7 8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-4-6-9

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को यह सूचित किया जाता है कि मेरी पक्षकारा सुनीता जायसवाल राय पत्नी श्री अरूण राय, वयस्क, मूल निवासी - एम. एन.-823, ज्ञानोदय स्कूल मोहल्ला, तेंदूखेड़ा, नरसिंहपुर, वर्तमान निवासी - म.नं. 08, कृष्णा हाउसिंग सोसायटी, चूना भट्टी, भोपाल, मध्य प्रदेश का शादी से पूर्व सुनीता जायसवाल नाम था एवं श्री अरुण राय से उनका विवाह हो जाने के उपरांत से वह सुनीता जायसवाल राय नाम से जानी व पहचानी जाती हैं, अतः सर्व साधारण को यह सूचित हो कि मेरी पक्षकारा का सही व सत्य नाम सुनीता जायसवाल राय हैं, यदि इस संबंध में किसी भी व्यक्ति, संस्था, सोसायटी, समिति, बैंक, संस्थान, शासकीय / अशासकीय विभाग को कोई आपत्ति हो तो वह इस प्रकाशन से 07 दिवस के भीतर मेरे नीचे उल्लेखित पते पर अपनी आपत्ति दस्तावेजी साक्ष्यों के साथ स्वंय या अपने अभिभाषक के साथ प्रस्तुत करें।

सुनील कुमार जैन (अधिवक्ता)

कार्यालयः - भवन क्रं. 67 आर. के. जैन लॉ चेम्बर आदर्श हास्पटिल के पास, थाना रोड शाहजहानाबाद, भोपाल - 462001 (म.प्र.)

मोबाईल न. 9827016994

2959

संचालनालय महिला एवं बाल विकास,मध्यपेदश

''विजयाराजे वात्सल्य भवन'' 28 ए अरेरा हिल्स,भोपाल

फोन: 0755-2550900,2550910 फेक्स: 0755-2550912

ई-मेलः commwed@mp.nic.in **बेबसाईट** % www.mpwed.inc.in□ www.mpwedmis.gov.in

क्रमांक/मबावि/भण्डार/2024-25/220 **भोपाल, दिनांक 09/12/2024**

स्टेशनरी सामग्री के वार्षिक आधार पर दरों के निध्रारण हेतु ई-निविदा आमंत्रण सूचना

संचालनालय महिला एवं बाल विकास कार्यालय अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 से अनुबंध दिनांक से 03 वर्ष (02 वर्ष का अनुबंध एवं 01 वर्ष अनुबंध वृद्धि)हेतु स्टेशनरी सामग्री के वार्षिक आधार पर दरों के निर्धारण हेतु 02 बिड सिस्टम (वित्तीय एवं तकनीकी बिड) के आधार पर http://mptenders.gov.ing/nicgep/app के माध्यम से अधिकृत एवं प्रतिष्ठित फर्मों से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा क्रमांक एवं दिनांक	कार्य का नाम	ऑनलाईन निविदा जारी दिनांक	ऑनलाइन निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक
क्रमांक/मबावि/भण्डार/निविदा /2024 -25/220 भोपाल 09.12.2024	कार्यालय हेतु स्टेशनरी सामग्री के वार्षिक आधार पर दरों के निधारण के लिए निविदा	13-12-2024	02-01-2025 (शाम 06 :00 बजे,तक)

निविदा प्रपत्र से संबंधित विस्तृत जानकारी एवं शर्तें वेबसाईट http://mptenders.gov.in/nicgep/app www. mp wcdmis.gov.in एवं शासकीय कार्य दिवसों (कार्यालयीन समयावधि) में, कार्यालय, संचालनालय महिला एवं बाल विकास भोपाल की भंडार शाखा से प्राप्त की जा सकती है। निविदा प्रक्रिया से संबंधित कोई भी जानकारी प्राप्त करने के लिए फान नं. 0120-4001 002, 0120-40001 005, 0120-6277 787(टोल फ्री)पर सम्पर्क किया जा सकता है। ई-निविदा में होने वाले समस्त संशोधनों आदि का प्रकाशन केवल उपरोक्त पर ही किया जावगा, इस हेतु समाचार पत्रों में पृथक से विज्ञापन प्रकाशित नहीं किया जावेगा। **निविदा प्रपत्र ऑनलाईन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 02.01.2025 (अपरान्ह 06 :00 बजे तक) है।**

जी-20571/24 **संयुक्त संचालक (भण्डार) महिला एवं बाल विकास, म.प्र.**